एसएनसीयू वार्ड में घूमते दिखे चूहे

वेंटिलेटर और अन्य उपकरणों के तार काटने की आशंका

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 13 जुलाई. जेपी अस्पताल के स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) वार्ड, जहां जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे नवजात बच्चों को रखा जाता है, वहां इन दिनों चूहों का आतंक है. संक्रमण मुक्त रहने वाले इस अति-संवेदनशील वार्ड में चूहों का घूमना अस्पताल प्रबंधन के दावों की हवा निकाल रहा है.

अस्पताल में भर्ती शिशुओं के परिजनों को वार्ड में घूम रहे चूहे से शिशुओं के लिये लगे वेंटिलेटर और जीवन रक्षक उपकरण लगे के तार काटने और बच्चे को नुकसान पहुंचने का डर लगातार सता रहा है. पहले एम्स और अब जेपी में नवजात शिशुओं सुरक्षित के वार्ड में चूहे दिखने की घटना सामने आई है. पहले भी इंदौर के अस्पताल में चूहों के द्वारा नवजात को कुतरने का मामला सामने आ चुका है.

चूहों से होता है शिशु की जान को खतरा: स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार संवेदनशील क्षेत्र में चूहों के मल-मूत्र से लेप्टोस्पायरोसिस जैसी घातक बीमारियां फैल सकती हैं, जो पहले से कमजोर नवजातों के लिए जानलेवा साबित हो सकती हैं. वहीं नवजात शिशु के चेहरे या उंगलियों को कुतरने का खतरा लगातार बना रहता है. साथ ही चूहे अस्पताल के गंदे नालों और कचरे से होकर सीधे वार्ड में पहुंचते हैं. जिससे नए और खतरनाक बैक्टीरिया बच्चों तक फैल रहे हैं.

इनका कहना है

कुछ दिन पहले ही अस्पताल में पेस्ट कंट्रोल करवाया गया था. सुरक्षा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए फिर से संबंधित टीम से सफाई करवाई जा रही है.

संजय जैन, सिविल सर्जन, जेपी अस्पताल

कारोबारी पर चाकू से जानलेवा हमला

भोपाल, 13 जुलाई. बैरागढ़ इलाके में एक कारोबारी पर दो बदमाशों ने सोमवार को दिनदहाड़े जानलेवा हमला हो गया. घायल अवस्था में कारोबारी ने भागकर खुद को बचाया. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया. हमलावर मौके से भाग निकले. सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस बदमाशों की पहचान करने में जुट गई है. जानकारी के अनुसार कारोबारी नीरज जिनयानी सेवा सदन के पीछे मैचिंग सेंटर चलाते हैं. वह अपनी दुकान के बाहर दोपहर के समय स्कूटी पर बैठे थे. इसी दौरान पीछे आए दो अज्ञात बदमाशों ने नीरज की पीठ पर चाकू से हमला कर दिया. हमले में घायल नीरज ने दौड़ लगा दी. इस दौरान मार्केट में अफरा-तफरी का महौल बन गया.

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं हुई नगर निगम में डीपीसी

- नगर निगम ने पदोन्नति प्रक्रिया को रोका
- कर्मियों से मांगी जा रही है पूर्व अधिकारियों की लिखी सीआर

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 13 जुलाई. नगर निगम में वर्षों से पदोन्नति की बाट जोह रहे कर्मचारियों की उम्मीदों पर फिलहाल पानी फिरता नजर आ रहा है. अभी तक डीपीसी नहीं हुई. निगम के अधिकारियों ने सीआर को लेकर पदोन्नति प्रक्रिया पर रोक लगा दी है.12 जुलाई तक पदोन्नति कर सरकार को हाईकोर्ट में 13 जुलाई को अपना जवाब प्रस्तुत करना था. आदेश में सख्त निर्देश थे कि सभी विभागों को निर्धारित समय में पदान्नति दी जाना चाहिए.

निगम मुख्यालय में तीन दिनों से पदोन्नति को लेकर देर रात तक बैठकें की गईं. निगम आयुक्त ने पदोन्नति की पात्रता रखने वाले कर्मचारियों को अपनी सीआर देने के लिए कहा है, वह भी जब से विभाग में पदस्थ हैं. उसमें दो अधिकारियों से सीआर लिखवाने के लिए निर्देशित किया है. जिन कर्मचारियों ने एक अधिकारी से सीआर तैयार करवा कर जमा की थी, उनको सीआर के दस्तावेज वापस कर दिए गए हैं. उनको मौखिक निर्देश दिए गए हैं कि आप दूसरे अधिकारी से भी हस्ताक्षर करवा कर लाइये, वह जो उस समय पदस्थ रहे थे. इस तरह से अब निगम के 638 कर्मचारियों की पदोन्नति फिलहाल खटाई में पड़ गई है.

रिकॉर्ड के आधार पर दे सकते हैं पदोन्नति

अब जब सीआर को लेकर कर्मचारियों की पदोन्नति में अड़चन आ रही है तो नगर निगम चाहे तो विभाग में मौजूद कर्मचारी के सर्विस रिकॉर्ड के आधार पर पदोन्नति दे सकती है. रही बात सीआर की तो वह प्रक्रिया बाद में भी पूरी की जा सकती है. जिससे कर्मचारियों को लाभ मिल जाएगा. इस बारे बात करने के लिए नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन को फोन लगाया लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं किया.

जानकारी अनुसार कर्मचारियों और अधिकारियों की सीआर उनके वरिष्ठ अधिकारी ही लिखते हैं. लेकिन अधिकतर कर्मचारियों ने सीआर वर्तमान वरिष्ठ अधिकारी से सीआर लिखवा ली है. अब पहले पदस्थ रहे अधिकारी से लिखी सीआर भी चाहिए. कर्मचारियों के लिए विकट परिस्थिति निर्मित हो गई कि दूसरा अधिकारी या तो सेवानिवृत हो चुका है या फिर उनका स्थानांतरण हो चुका है.कुछ को तो अधिकारी का पता ही नहीं है कि वह वर्तमान में कहां है. ऐसी स्थिति में अब कर्मचारी क्या करें.

कर्मचारियों का पूरा रिकॉर्ड निगम के पास ही मौजूद है. कर्मचारियों की शिकायतें या अन्य दंड जो निगम, न्यायालय या नगरीय प्रशासन ने लगाया हो तो वह भी उनकी सर्विस बुक में दर्ज होगा. उसी आधार पर पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है.अगर कोई शिकायत या अन्य जांच प्रक्रिया में है तो उसे भी जल्द पूरा कर पदोन्नति की बाधा को दूर किया जा सकता है. लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है.

इनका कहना है

निगम प्रशासन को सीआर सत्यापन के लिए एक अधिकृत अधिकारी नियुक्त करना चाहिए. वर्षों पुराने अधिकारियों के हस्ताक्षर अनिवार्य करना व्यावहारिक नहीं है. कई अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं या स्थानांतरण हो चुका है. कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका, गोपनीय चरित्रावली, विभागीय कार्रवाई और अन्य अभिलेख नगर निगम के पास हैं. यदि किसी कर्मचारी के विरुद्ध कोई जांच या दंड लंबित है तो उसका उल्लेख रिकॉर्ड में उपलब्ध रहता है. ऐसे में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर ही पदोन्नति प्रक्रिया पूरी की जा सकती है.

अशोक वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय सफाई मजदूर ट्रेड यूनियन

न्यू मार्केट से हटेंगी अस्थाई दुकानें

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 13 जुलाई. जिला प्रशासन त्योहारों पर होने वाली भीड़ को देखते हुए न्यू मार्केट में अतिक्रमण के खिलाफ एक-दो दिन में बड़ी कार्रवाई करने जा रहा है. त्योहारों के समय ऐसे में लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित न हो, इसलिए उन्हें टीटी नगर स्टेडियम पर दुकानें लगाने के लिए जगह दी जाएगी.

न्यू मार्केट में आम दिनों में काफी भीड़ रहती है. त्योहारों के दौरान यह दोगुनी हो जाती है. जिससे वहां के रास्तों में जाम की स्थिति बन जाती है.न्यू मार्केट में वर्षों से अतिक्रमण जारी है. शुरुआत मे तो सिर्फ कुछ ही छोटे दुकानदार फुटपाथ पर सामान बेचते थे. लेकिन अब जिनकी स्थाई दुकानें हैं, वे भी अपनी दुकानों के सामने की जगह किराए पर देकर कपड़े, कॉस्मेटिक सामान, छोले टिकिया जैसे अन्य सामान बेचने वालों को खड़ा करने लगे हैं.हालांकि अभी तक नगर निगम के अतिक्रमण अमले के द्वारा कार्रवाई की जाती रही है. लेकिन कुछ दिन बाद दोबारा अतिक्रमण होता रहा है. अब जिला प्रशासन कार्रवाई करने जा रहा है. अतिक्रमण कर गुमठियां और टेबलें रखकर कारोबार करने वालों को तो हटाया ही जाएगा साथ ही स्थाई दुकानों के सामने टेबल वालों पर जुर्माने कार्रवाई की जाएगी.

इनका कहना है

अब त्योहार शुरू होने वाले हैं जिससे न्यू मार्केट में खरीददारी के लिए भीड़ बढ़गी. महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए जल्द ही अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. त्योहारों पर कारोबारियों के लिए टीटी नगर स्टेडियम क्षेत्र में दुकान लगाने के लिए अस्थाई जगह दी जाएगी.

अर्चना शर्मा, एसडीएम, टीटी नगर

युवक पर गोली चलाने वाले 3 बदमाशों को जेल भेजा

- वाहन हटाने के विवाद में की थी फायरिंग

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 13 जुलाई. मिसरोद पुलिस ने हरीश कुमार राय (33) पर गोली चलाने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया.

आरोपी हर्षित पटेल (21), अनुभव चौबे (19) और लोकेश रघुवंशी (24) को हरीश पर गोली चलाने के आरोप में जेल भेज दिया गया. रायल होम्स कॉलोनी में हुई वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया. आरोपियों ने हरीश के साथ पहले मारपीट की. बाद में हरीश के पास रखी उनकी लाइसेंसी बंदूक से ही उन पर फायरिंग कर दी. दो राउंड की फायरिंग में एक गोली हरीश के पैर को छूते हुए निकल गई. हरीश जब देर रात को अपनी बाइक से कॉलोनी के अंदर जा रहे थे. इस दौरान तीनों आरोपी एक कार लेकर बीच रास्ते में खड़े थे. कार को साइड में लगाकर खड़ी करने की बात हरीश ने कही थी. इस बात से नाराज होकर आरोपियों ने मारपीट कर फायरिंग कर दी थी.

वाहन चैकिंग करती हुई पुलिस

भोपाल. मोती मस्जिद चौराहे से पीरगेट की तरफ जाने वाले मार्ग पर सोमवार को वाहनों की चैकिंग की गई. इस दौरान पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की.

पूर्व जज गिरिबाला सिंह और समर्थ की पेशी आज होगी

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 13 जुलाई. ट्विशा शर्मा मौत के मामले में पूर्व जज गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह की जिला अदालत में मंगलवार को पेशी होगी. अदालत इस मामले में वीडियो कांफ्रेसिंग या कोर्ट में दोनों की मौजूदगी में सुनवाई कर सकती है. ट्विशा के शव के दूसरे पीएम की रिपोर्ट आ चुकी है और मामले में सीबीआई की जांच भी जारी है.

गिरिबाला और समर्थ करीब सवा महीने से केंद्रीय जेल में है. कोर्ट ने लगातार मामले की सुनवाई करते हुए आरोपियों की अब तक न्यायिक हिरासत बढ़ाई है. इससे पहले 30 जून को जिला अदालत ने वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से सुनवाई करते हुए दोनों की रिमांड 14 जुलाई तक बढ़ाई थी.

स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर डॉक्टरों ने निकाली रैली

- अन्य राज्यों की तुलना में प्रदेश में सबसे कम मानदेय

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 13 जुलाई. प्रदेश के शासकीय और निजी चिकित्सा महाविद्यालयों के एमबीबीएस इंटर्न और डॉक्टरों ने सोमवार को रैली निकालकर सरकार के समक्ष स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग रखी. जिसके तहत जीएमसी में इंटर्न द्वारा एक पदयात्रा का आयोजन किया गया. करीब शाम 4 बजे निकाली गई इस पदयात्रा में सैकड़ों डॉक्टर शामिल हुए.

प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने बताया कि प्रदेश के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में एमबीबीएस के विद्यार्थियों से हर साल लगभग 1 लाख रुपये का भारी-भरकम शिक्षण शुल्क लिया जाता है. इसके विपरीत, जब अनिवार्य इंटर्नशिप के दौरान काम के बदले मानदेय देने की बात आती है, तो उन्हें मात्र 14 हजार 337 रुपये प्रति माह का स्टाइपेंड दिया जा रहा है.

यह हैं डॉक्टरों की प्रमुख मांगें

- वर्तमान में मिल रहे 14 हजार 337 रुपये के स्टाइपेंड बढ़ाकर न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रति माह किया जाए.
- प्रदेश में एमबीबीएस की महंगी शिक्षा शुल्क और इंटर्न स्टाइपेंड के बीच अन्य राज्यों की तरह एक पारदर्शी संतुलन स्थापित हो.
- स्टाइपेंड में हर साल 6 प्रतिशत का महंगाई भत्ता या स्वचालित वार्षिक वृद्धि की स्थायी व्यवस्था लागू हो.

इनका कहना है

इंटर्न को मिलने वाला स्टाइपेंड अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है. उन्हे करीब 25 से 30 हजार का स्टाइपेंड मिलना चाहिए. कम स्टाइपेंड मिलना उन पर आर्थिक दबाव को भी बढ़ाता है.

डॉ. कुलदीप गुप्ता, महासचिव आईएमए, मप्र

लोडिंग वाहन से भिड़ी बाइक 2 युवकों की मौत, एक गंभीर

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 13 जुलाई. सुभाष फाटक के पास सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई. एक युवक हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया. अशोका गार्डन थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

जानकारी के मुताबिक सड़क हादसे में रघुराज सिंह ठाकुर और अभिषेक पटेल नाम के युवकों की मौत हो गई. दोनों के साथ बाइक पर सवार उनका तीसरा साथी गंभीर रूप से घायल है. हादसा रविवार को देर शाम हुआ, जब एक खड़ी ऑटो-लोडिंग वाहन से एक बाइक पर सवार तीनों युवक जा भिड़े.

तेज रफ्तार में बाइक टक्कराई और दर्दनाक हादसा हो गया. राहगीरों ने सभी को अस्पताल पहुंचाया, जहां रघुराज और अभिषेक की इलाज के दौरान मौत हो गई. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. पुलिस घायल की हालत स्थिर होने के बाद उसका आधिकारिक बयान भी दर्ज करने के इंतजार में है.

आईटीआई में नए ट्रेड प्रारंभ किए जाएं

- कौशल समिति की बैठक में सीईओ के निर्देश

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 13 जुलाई. पुलिस आईटीआई जहांगीराबाद में जिला कौशल समिति की समीक्षा बैठक सोमवार को आयोजित की गई. अध्यक्षता जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने की. इस दौरान उन्होंने कहा कि वर्तमान औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को कौशलयुक्त बनाकर उन्हें सीधे रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ना जिला प्रशासन की प्रमुख प्राथमिकता है.

उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा को पूरी तरह व्यावहारिक तथा उद्योगों की मांग के अनुरूप विकसित किया जाए, ताकि प्रशिक्षण के बाद युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकें.

तिवारी ने निर्देश दिए कि सतगढ़ी में प्रस्तावित औद्योगिक पार्क की आवश्यकताओं के अनुरूप निकटवर्ती आईटीआई संस्थानों में नए ट्रेड प्रारंभ किए जाएं तथा उनके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए. उन्होंने उद्योगों का सर्वे कर स्किल गैप एनालिसिस कराने और प्रशिक्षणार्थियों के नियमित इंडस्ट्री विजिट सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक औद्योगिक कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके. बैठक में एआईजी एवं प्राचार्य अंशुमन अग्रवाल, प्राचार्य विवेक सिंह, सपना तिवारी तथा जिला कौशल विकास, उद्योग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

चोरी की आरोपी युवती की पिटाई, वीडियो वायरल

भोपाल. एक युवती पर चोरी का आरोप लगाते हुए उसके के साथ मारपीट का कथित वायरल वीडियो सामने आया है. वायरल वीडियो न्यू मार्केट का बताया जा रहा है. हालांकि वीडियो को लेकर पुलिस की तरफ से फिलहाल आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. टीटी नगर थाना पुलिस वायरल वीडियो को लेकर जांच कर रही है. वीडियो को लेकर बताया जा रहा है कि एक युवती रविवार को दोपहर, जब न्यू मार्केट के अंदर पहुंची थी. इस दौरान कुछ महिलाओं ने युवती पर चोरी का आरोप लगाकर उसे पकड़ लिया. इस दौरान युवती के साथ मारपीट करने का भी आरोप सामने आया है.

बच्चों के खेलने की बात पर मारपीट, पांच लोग घायल

- गौतमनगर इलाके की घटना हमला करने वाले फरार

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 13 जुलाई. गौतम नगर थाना इलाके में बच्चों के खेलने की बात को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया. हमले में एक पक्ष की दो महिला सहित तीन पुरुष घायल हो गए.

जानकारी के मुताबिक वसीम खान ने अपने आधा दर्जन साथियों के साथ महमूद नाम के परिवार पर हमला बोल दिया. रविवार को देर शाम वसीम के बच्चे फुटबाल खेल रहे थे. खेल-खेल में फुटबाल मोहल्ले के रहने वाले महमूद की गाड़ी के नीचे आ गई.उसने गुस्से में फुटबाल फाड़ दी.देर रात वसीम करीब आधा दर्जन अपने साथियों के साथ महमूद के घर पहुंचा. महमूद उस दौरान घर पर नहीं था तो आरोपियों ने उसके परिवार के लोगों पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया. इस दौरान महमूद के भाई और बेटे ने वसीम और उसके साथियों पर चाकू से हमला कर दिया. इस हमले में वसीम व अन्य लोग घायल हो गए.

असुविधा सर्वर समस्या से टिकट काउंटरों पर लग रहीं लंबी कतारें

एटीवीएम के सीमित संचालन से बढ़ी यात्रियों की परेशानी

- 12 एटीवीएस में से 4 ही चालू, जिनमें ऑपरेटर हैं

प्रांजुल पाण्डेय

भोपाल, 13 जुलाई.रेलवे स्टेशन पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनों (एटीवीएम) के सीमित संचालन से यात्रियों को टिकट लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.स्टेशन पर प्रतिदिन लगभग 60 हजार यात्रियों की आवाजाही होती है और यहां से 257 से अधिक ट्रेनें गुजरती हैं.ऐसे में टिकट वितरण व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बना रहता है.

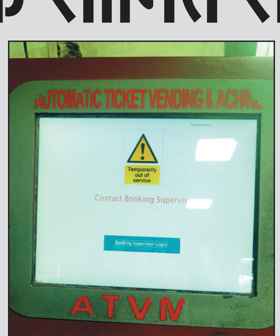

यात्रियों का कहना है कि कई बार एटीवीएम में सर्वर संबंधी तकनीकी समस्याएं आ जाती हैं, जबकि कुछ यात्री मशीनों के संचालन से परिचित नहीं होने के कारण उनका उपयोग नहीं कर पाते.परिणामस्वरूप उन्हें टिकट काउंटरों पर लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है. कई यात्रियों ने बताया कि भीड़ के कारण कभी-कभी उनकी ट्रेन तक छूट जाती है.स्टेशन परिसर में दस से अधिक एटीवीएम स्थापित हैं, लेकिन अधिकांश समय केवल तीन-चार मशीनें ही पूरी क्षमता से संचालित होती दिखाई देती हैं. नवभारत की पड़ताल में कई मशीनें खाली मिलीं, जबकि जिन मशीनों पर ऑपरेटर मौजूद थे, वहां यात्रियों की भीड़ देखी गई.

इस संबंध में रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुछ मशीनों को जानबूझकर बिना ऑपरेटर के रखा जाता है, ताकि यात्री स्वयं क्यूआर कोड स्कैन कर टिकट लेने की प्रक्रिया सीख सकें.उन्होंने कहा कि रेलवे समय-समय पर यात्रियों को रेलवन सहित अन्य डिजिटल माध्यमों से टिकट बुक करने के लिए जागरूक भी कर रहा है, जिससे काउंटरों पर दबाव कम हो सके.यात्रियों ने मांग की है कि सभी एटीवीएम को नियमित रूप से चालू रखा जाए और आवश्यक तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि टिकट प्राप्त करने की प्रक्रिया अधिक सुगम और सुविधाजनक बन सके.

स्टेशन परिसर में आवारा श्वानों की मौजूदगी

भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 पर बुधवार को कई आवारा कुत्ते घूमते नजर आए .कुछ कुत्ते यात्रियों के बैठने के लिए निर्धारित स्थानों पर लेटे हुए थे, जिससे यात्रियों में असहजता और सुरक्षा को लेकर चिंता देखी गई. स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर भी आवारा कुत्तों का जमावड़ा दिखाई दिया. यात्रियों का कहना है कि इससे बच्चों और बुजुर्गों को विशेष परेशानी होती है. रेलवे प्रशासन के अनुसार, समय-समय पर अभियान चलाकर कुत्तों को पकड़ा जाता है, फिर भी उनकी मौजूदगी पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाई है.

बच्ची को छोड़ने वालों की तलाश में पुणे गई टीम

- ऑटो में मिली थी एक माह की मासूम
- बच्ची को गोद लेने आए कई दंपति

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 13 जुलाई. जीआरपी भोपाल की एक टीम लावारिस एक माह की बच्ची के परिजन की तलाश में पुणे के लिए रवाना हो गई है. बच्ची को ऑटो में छोड़ने वाली दो महिला और एक पुरुष सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं. कैमरे में दिख रहे संदिग्धों को भी चिन्हित कर उनकी तलाश की जा रही है. इधर,मासूम को गोद लेने के लिए भी लोग आगे आ रहे हैं. बच्ची को एनजीओ के संरक्षण में सुरक्षित रखा गया है.

जीआरपी थाना प्रभारी जहीर खान ने बताया कि स्टैंड पर खड़े ऑटो में बच्ची को छोड़ने वाली दो महिलाएं और एक पुरूष सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं. बच्ची को जिस महिला ने गोद में लिया था. उसने पुणे जाने की ट्रेन में जनरल टिकट भी लिया. एक पुरुष के साथ महिला को एक दूसरी महिला के साथ स्टेशन पर देखा गया. तीनों की तलाश में जीआरपी की एक टीम पुणे के लिए रवाना हो गई है. बच्ची को किलकारी एनजीओ के संरक्षण में रखा गया है.

बच्ची स्वस्थ है. इसके साथ ही बच्ची के स्टेशन परिसर में पाए जाने की सूचना पर कई दंपति कानूनी प्रक्रिया के तहत बच्ची को गोद लेने की भी मांग कर रहे हैं. फिलहाल जीआरपी का पूरा फोकस बच्ची के परिजनों की तलाश में बना हुआ है. आखिर क्या वजह रही की महिला को बच्ची को लावारिस हालत में छोड़कर पुणे जाने वाली ट्रेन पकड़नी पड़ी. जीआरपी भोपाल पूरे मामले की जांच में जुटी है. बता दें कि करीब एक माह की मासूम बच्ची को तीन दिन पहले रेलवे स्टेशन भोपाल के प्लेटफॉर्म-6 की तरफ स्टैंड पर खड़े आटो में रोते देखा गया.